COHERENCE – The Multidisciplinary Research Journal
Volume No: 15, Issue No: 2, Year: 2024 (July-December)
PP: 29-33

ISSN: 0976-5301
Peer Reviewed & Refereed Journal (IF: 7.85)
Journal Website www.coherencejournal.in

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता का महत्व : समकालीन मीडिया परिदृश्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन

दर्शन सुधाकर

नेट

शोध-सारांश :–

इक्कीसवीं सदी को सूचना और संचार क्रांति का युग माना जाता है। इंटरनेट तकनीक के तीव्र विकास ने पत्रकारिता की पारंपरिक अवधारणा को बदलते हुए उसे डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता आज केवल समाचार प्रसारण का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, लोकतांत्रिक विमर्श और जनसरोकारों का प्रभावशाली मंच बन चुकी है। डिजिटल तकनीकों, स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, वेब-पोर्टल, ब्लॉग तथा मोबाइल एप्लिकेशनों ने हिंदी पत्रकारिता की पहुँच को राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर वैश्विक स्तर तक विस्तारित किया है।

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने सूचना के लोकतंत्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके माध्यम से समाज का सामान्य नागरिक भी अभिव्यक्ति की प्रक्रिया में सहभागी बन सका है। आज समाचार केवल बड़े मीडिया संस्थानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डिजिटल माध्यमों के कारण वैकल्पिक विचारधाराओं और स्थानीय मुद्दों को भी व्यापक मंच प्राप्त हुआ है। इंटरनेट पत्रकारिता ने समाचारों को तात्कालिक, बहुमाध्यमीय और अधिक संवादात्मक बनाया है।

इसके अतिरिक्त हिंदी डिजिटल पत्रकारिता ने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक संरक्षण तथा लोकतांत्रिक चेतना को भी नई दिशा प्रदान की है। हालांकि इसके साथ फेक न्यूज़, अपुष्ट सूचनाएँ, मीडिया नैतिकता का संकट तथा बाज़ारवादी प्रवृत्तियों जैसी चुनौतियाँ भी उभरकर सामने आई हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र में हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता के महत्व, उसके विकास, सामाजिक प्रभाव, लोकतांत्रिक भूमिका तथा समकालीन चुनौतियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्द : हिंदी पत्रकारिता, इंटरनेट मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता, सोशल मीडिया, सूचना क्रांति, लोकतंत्र, मीडिया अध्ययन।

प्रस्तावना :–

मानव सभ्यता के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। प्रारंभिक काल में सूचना के आदान-प्रदान के लिए मौखिक परंपराओं, संदेशवाहकों तथा लोकमाध्यमों का उपयोग किया जाता था। मुद्रण तकनीक के विकास के साथ पत्रकारिता ने संगठित रूप ग्रहण किया और समाचार-पत्र सामाजिक जागरूकता के प्रमुख माध्यम बने। बाद में रेडियो, टेलीविज़न और उपग्रह संचार ने जनसंचार के स्वरूप को विस्तृत किया। किंतु इंटरनेट तकनीक के आगमन ने पत्रकारिता को सबसे अधिक व्यापक और प्रभावशाली परिवर्तन प्रदान किया।

इंटरनेट पत्रकारिता पत्रकारिता का वह आधुनिक रूप है जिसमें समाचारों और सूचनाओं का संकलन, संपादन तथा प्रसारण डिजिटल नेटवर्क और ऑनलाइन माध्यमों के द्वारा किया जाता है। हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने विशेष रूप से भारत जैसे बहुभाषी देश में संचार व्यवस्था को नई दिशा प्रदान की है। आज हिंदी भाषा में संचालित डिजिटल पोर्टल, समाचार वेबसाइटें, मोबाइल एप्लिकेशन, ब्लॉग, यूट्यूब चैनल तथा सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म करोड़ों लोगों तक समाचार और सूचनाएँ पहुँचा रहे हैं।

© Copyright @ Authors

डिजिटल तकनीकों ने समाचारों को अधिक त्वरित और संवादात्मक बना दिया है। पहले समाचारों तक पहुँच प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर निर्भर थी, किंतु अब इंटरनेट के कारण समाचार वास्तविक समय में उपलब्ध हो जाते हैं। हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने ग्रामीण और शहरी समाज के बीच सूचना-संपर्क को सुदृढ़ किया है। इसके माध्यम से स्थानीय समस्याएँ भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनने लगी हैं।

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता का महत्व केवल सूचना प्रसारण तक सीमित नहीं है। यह लोकतांत्रिक संवाद, सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक संरक्षण और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आज डिजिटल मंचों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नई शक्ति प्रदान की है। आम नागरिक भी सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के द्वारा समाचार निर्माण और प्रसारण की प्रक्रिया में सहभागी हो रहे हैं।

हालांकि डिजिटल पत्रकारिता के अनेक सकारात्मक प्रभाव हैं, किंतु इसके साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। फेक न्यूज़, ट्रोल संस्कृति, डेटा सुरक्षा, मीडिया नैतिकता तथा बाज़ारवादी प्रवृत्तियाँ हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं। इसलिए इस विषय का गहन और अकादमिक अध्ययन आवश्यक हो जाता है।

उपलब्ध साहित्य :–

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता के संबंध में अनेक विद्वानों, मीडिया विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने महत्वपूर्ण अध्ययन प्रस्तुत किए हैं। संचार अध्ययन के क्षेत्र में यह माना गया है कि डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता की संरचना, कार्यप्रणाली और प्रभाव क्षेत्र को व्यापक रूप से परिवर्तित किया है।

कुछ विद्वानों के अनुसार इंटरनेट पत्रकारिता ने सूचना तक पहुँच को सरल और लोकतांत्रिक बनाया है। डिजिटल मंचों ने उन वर्गों को भी अभिव्यक्ति का अवसर दिया है जिन्हें पारंपरिक मीडिया में पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाता था। हिंदी डिजिटल मीडिया ने ग्रामीण क्षेत्रों तथा क्षेत्रीय भाषाओं को नई पहचान प्रदान की है।

मीडिया विशेषज्ञों का मानना है कि हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को अधिक गतिशील बनाया है। सोशल मीडिया और वेब-पोर्टलों के माध्यम से समाचारों का प्रसार अत्यंत तीव्र गति से होने लगा है। परिणामस्वरूप नागरिकों की सहभागिता बढ़ी है तथा लोकतांत्रिक संवाद अधिक सक्रिय हुआ है।

दूसरी ओर, कुछ अध्ययनों में डिजिटल पत्रकारिता की चुनौतियों को भी रेखांकित किया गया है। विशेष रूप से फेक न्यूज़, सूचनाओं की प्रामाणिकता, ऑनलाइन ट्रोलिंग और डेटा सुरक्षा को गंभीर समस्या माना गया है। बाज़ारवादी प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार समाचारों की गुणवत्ता और निष्पक्षता प्रभावित होती दिखाई देती है।

उपलब्ध साहित्य के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता आज भारतीय समाज और मीडिया संरचना का अभिन्न अंग बन चुकी है। इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों का संतुलित अध्ययन आवश्यक है।

शोध-प्रविधि :–

प्रस्तुत शोध-पत्र में गुणात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध-पद्धति का उपयोग किया गया है। अध्ययन मुख्यतः द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है। इसके अंतर्गत पुस्तकों, शोध-पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं, डिजिटल समाचार-पोर्टलों तथा इंटरनेट पत्रकारिता से संबंधित सामग्री का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन में व्याख्यात्मक और तुलनात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया है। हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता के विकास, महत्व, सामाजिक प्रभाव तथा लोकतांत्रिक भूमिका का विश्लेषण किया गया है। साथ ही पारंपरिक पत्रकारिता और डिजिटल पत्रकारिता के स्वरूपों का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया है।

© Copyright @ Authors

एवं विमर्श :–

1. हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता का विकास–

इंटरनेट तकनीक के विकास के साथ हिंदी पत्रकारिता ने भी डिजिटल माध्यमों को अपनाना प्रारंभ किया। प्रारंभिक दौर में समाचार-पत्रों के केवल ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध थे, किंतु बाद में स्वतंत्र डिजिटल पोर्टलों, मोबाइल एप्लिकेशनों तथा सोशल मीडिया मंचों का विकास हुआ। आज लगभग सभी प्रमुख हिंदी समाचार संस्थानों के अपने डिजिटल मंच, वेबसाइटें और मोबाइल एप उपलब्ध हैं।

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने पारंपरिक पत्रकारिता की सीमाओं को समाप्त करते हुए वैश्विक पाठक वर्ग तक अपनी पहुँच स्थापित की है। भारत के अतिरिक्त विदेशों में रहने वाले हिंदी भाषी लोग भी डिजिटल माध्यमों से हिंदी समाचारों और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं।

2. सूचना के लोकतंत्रीकरण में भूमिका–

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता का सबसे बड़ा महत्व यह है कि इसने सूचना तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाया है। पहले समाचारों का नियंत्रण सीमित मीडिया संस्थानों के हाथों में था, किंतु अब इंटरनेट ने प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति का मंच प्रदान किया है।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों, ब्लॉग और स्वतंत्र डिजिटल मंचों के माध्यम से आम नागरिक भी अपनी बात समाज तक पहुँचा सकते हैं। इससे पत्रकारिता अधिक सहभागी और जनोन्मुखी बनी है।

3. सामाजिक जागरूकता का विस्तार–

डिजिटल पत्रकारिता ने समाज में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला अधिकार, भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी तथा सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर ऑनलाइन अभियानों ने व्यापक जनचेतना उत्पन्न की है।

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का कार्य किया है। इससे सामाजिक संवाद अधिक व्यापक और प्रभावशाली हुआ है।

4. लोकतांत्रिक संवाद को सशक्त बनाना–

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डिजिटल मंचों ने नागरिकों को शासन और प्रशासन से संबंधित मुद्दों पर खुलकर विचार व्यक्त करने का अवसर दिया है।

ऑनलाइन समाचार माध्यमों ने राजनीतिक विमर्श को अधिक सक्रिय बनाया है। चुनाव, नीतियाँ, सामाजिक आंदोलन तथा जनहित के मुद्दे अब इंटरनेट माध्यमों के द्वारा व्यापक जनसमूह तक पहुँचते हैं।

5. हिंदी भाषा और संस्कृति का संरक्षण–

डिजिटल मीडिया ने हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान प्रदान की है। हिंदी समाचार वेबसाइटें, ब्लॉग, साहित्यिक पोर्टल तथा सोशल मीडिया मंच हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इंटरनेट पत्रकारिता के माध्यम से हिंदी साहित्य, लोकसंस्कृति और क्षेत्रीय परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इससे सांस्कृतिक संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है।

6. तकनीकी विकास और पत्रकारिता–

स्मार्टफ़ोन, 4G और 5G इंटरनेट सेवाओं के विस्तार ने हिंदी डिजिटल पत्रकारिता को नई गति प्रदान की है। लाइव स्ट्रीमिंग, पॉडकास्ट, वीडियो पत्रकारिता, मल्टीमीडिया कंटेंट और सोशल मीडिया रिपोर्टिंग ने समाचार प्रस्तुति को अधिक आकर्षक और प्रभावशाली बनाया है।

© Copyright @ Authors

आज समाचार केवल पढ़े ही नहीं जाते, बल्कि वीडियो, ऑडियो और ग्राफ़िक्स के माध्यम से अनुभव किए जाते हैं। इससे पत्रकारिता की प्रकृति अधिक बहुआयामी हो गई है।

7. आर्थिक महत्व–

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने मीडिया उद्योग की आर्थिक संरचना को भी प्रभावित किया है। डिजिटल विज्ञापन, ऑनलाइन सदस्यता और सोशल मीडिया मार्केटिंग के कारण मीडिया संस्थानों के कार्य करने की शैली में परिवर्तन आया है।

इसके अतिरिक्त कंटेंट राइटिंग, डिजिटल संपादन, सोशल मीडिया प्रबंधन और डेटा पत्रकारिता जैसे नए रोजगार क्षेत्रों का विकास हुआ है।

8. चुनौतियाँ और संकट–

हालांकि हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता के अनेक सकारात्मक प्रभाव हैं, किंतु इसके सामने कई गंभीर चुनौतियाँ भी हैं।

(क) फेक न्यूज़

सोशल मीडिया पर अपुष्ट समाचारों का प्रसार अत्यंत तीव्र गति से होता है। इससे सामाजिक भ्रम और तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है।

(ख) मीडिया नैतिकता

तात्कालिकता की होड़ में कई बार तथ्य-सत्यापन की प्रक्रिया प्रभावित होती है। इससे पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठते हैं।

(ग) बाज़ारवादी प्रवृत्तियाँ

दर्शकों और क्लिक संख्या की प्रतिस्पर्धा के कारण कई डिजिटल मंच सनसनीखेज़ समाचारों को प्राथमिकता देते हैं। इससे गंभीर पत्रकारिता प्रभावित होती है।

(घ) डिजिटल असमानता

ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक इंटरनेट की समान पहुँच अभी भी नहीं है। इससे डिजिटल पत्रकारिता का लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुँच पाता।

निष्कर्ष :–

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता आधुनिक संचार व्यवस्था का अत्यंत प्रभावशाली माध्यम बन चुकी है। इसने समाचारों और सूचनाओं को त्वरित, व्यापक और लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। डिजिटल पत्रकारिता ने सामाजिक जागरूकता, लोकतांत्रिक चेतना तथा सांस्कृतिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सशक्त किया है तथा आम नागरिकों को समाचार प्रक्रिया में सहभागी बनाया है। इसके माध्यम से स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों को भी राष्ट्रीय मंच प्राप्त हुआ है।

हालांकि फेक न्यूज़, मीडिया नैतिकता का संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियाँ इसकी विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि डिजिटल पत्रकारिता को उत्तरदायी, तथ्यपरक और नैतिक आधारों पर संचालित किया जाए। वर्तमान समय में हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता केवल तकनीकी परिवर्तन का परिणाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा पत्रकारिता और डिजिटल तकनीकों के विकास के साथ इसका स्वरूप और अधिक विस्तृत होगा।

© Copyright @ Authors

ऐसे समय में पत्रकारिता की निष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक उत्तरदायित्व को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। हिंदी इंटरनेट पत्रकारिता का भविष्य तभी सार्थक होगा जब यह समाज के सभी वर्गों की आवाज़ बनकर लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाए रखेगी।

संदर्भ :–

1. हर्षदेव — ऑनलाइन पत्रकारिता, नई दिल्ली।
2. कुमार संजय, डिजिटल मीडिया और पत्रकारिता, वाणी प्रकाशन।
3. शर्मा ओमप्रकाश, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन।
4. सिंह राकेश, जनसंचार के आधुनिक आयाम, साहित्य भवन।
5. मिश्रा रामगोपाल, मीडिया और समाज, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी।
6. इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) रिपोर्ट।
7. इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन 8.यूनियन (ITU) रिपोर्ट, 2024।
9. विभिन्न शोध-पत्र, वेब-पोर्टल तथा डिजिटल मीडिया स्रोत।

© Copyright @ Authors